भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5561

27 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोल्हापुर में मेडिकल कॉलेज

†5561. श्री शाहू शहाजी छत्रपतीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कोल्हापुर स्थित उन्नत सरकारी मेडिकल कॉलेज ने जनता के लिए उपलब्ध विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उन्नयन से पहले और बाद में सालाना सेवा प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या कितनी है और इसके साथ ही नजदीकी जिलों और क्षेत्रीय ग्रहण क्षेत्रों से रेफरल दरों पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) क्या सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेज कोल्हापुर में रोगी संतुष्टि सर्वेक्षण या गुणवत्ता संपरीक्षा की है और ऐसे संपरीक्षा के मुख्य निष्कर्ष क्या रहे;

(घ) उसमें चिह्नित की गई कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ङ) क्या सरकारी मेडिकल कॉलेज कोल्हापुर में कोई नई अनुसंधान प्रयोगशालाएं या क्लिनिकल ट्रायल बुनियादी ढांचा प्रस्तावित है और यदि हां, तो आवंटित निधि और पूरा होने की संभावित समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) सरकारी मेडिकल कॉलेज कोल्हापुर के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध केंद्रीय और राज्य वित्तपोषण का ब्यौरा क्या है और अब तक कितना व्यय हुआ है; और

(छ) क्या इस संबंध में निधियां जारी करने या कार्यों के निष्पादन में कोई देरी हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, संस्थान में कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, हेमेटोलॉजी, नियोनेटोलॉजी, रेस्पिरेटरी आईसीयू और नेफ्रोलॉजी सहित सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएं संचालित कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, हाई-एन्ड-एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी उन्नत नैदानिक सुविधा केंद्र भी पूरी तरह से कार्यशील हैं।

बहिरंग विभाग (ओपीडी) में रोगियों की कुल संख्या में 1,75,916 की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2024 में 1,80,113 रोगियों से बढ़कर वर्ष 2025 में 3,56,029 हो गई है। यह वृद्धि सांगली, सतारा और रत्नागिरी जैसे आस-पास के जिलों और निकटतम जिलों से भी रोगियों को रेफर किए जाने से हुई है।

(ग) और (घ): 'मेरा अस्पताल' पोर्टल के माध्यम से रोगी संतुष्टि की नियमित निगरानी की जाती है, साथ ही प्रत्येक वार्ड में फीडबैक रजिस्टर और सुझाव बॉक्स रखे जाते हैं, जिनकी समय-समय पर संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा समीक्षा की जाती है। इसके अतिरिक्त, इन चिंताओं को दूर करने के लिए कई सुधारात्मक उपाय शुरू किए गए हैं, जिनमें ओपीडी सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजिटल टोकन प्रणाली का कार्यान्वयन और नर्सिंग एवं सहायक स्टाफ के रिक्त पदों को भरने के प्रयास शामिल हैं।

(ङ) से (छ): महाराष्ट्र सरकार को बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) और एक उन्नत वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला (वीआरडीएल) की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए मानव संसाधन विकास' (एचआरडीईएमएस) के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों/स्वायत्त संस्थानों में राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता (एनईएलएस) कौशल केंद्र स्थापित करने और उन्हें सुसज्जित करने का प्रावधान है। इन केंद्रों का उद्देश्य आपातकालीन विभागों में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों सहित विभिन्न श्रेणियों के स्वास्थ्य कर्मियों और अस्पताल-पूर्व परिचर्या प्रदान करने वालों को आपातकालीन जीवन सहायता पर कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज, कोल्हापुर के लिए ऐसे ही एक राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता (एनईएलएस) कौशल केंद्र को मंजूरी दी गई है, जिसके लिए वित्त वर्ष 2025-26 में 1.4 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

******